बीईसीसी-105

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स) कार्यक्रम
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2024-25
जुलाई 2024 और जनवरी 2025 प्रवेश सत्र हेतु

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–105
पाठ्यक्रम शीर्षक : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068
बी.ई.सी.सी.–105 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.–105 मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्यम श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

आपको सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास निम्नलिखित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा–

(i) 31 मार्च, 2025 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जुलाई 2024 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

(ii) 30 सितंबर, 2025 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जनवरी 2025 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

जमा कराये गये सत्रीय कार्य की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।
2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा
ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हैं।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ**,**

बी.ई.सी.सी.–105 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.–105
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी.(टी.एम.ए.)/2025-26
पूर्णांक : 100

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। गणितीय प्रश्नों के संबंध में शब्द सीमा लागू नहीं होगी। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।
2x 20=40

1. क) उपभोक्ता संतुलन की लेग्रान्जियन संरचना में आय की सीमांत उपयोगिता क्या भूमिका अदा करती है?

   ख) नीचे दिये उपभोक्ता के उपयोगित फलन पर विचार करें:

$$u(x_1, x_2) = 300 + \sqrt{x_1} + \sqrt{x_2}$$

   वस्तु x_1तथा x_2की कीमत क्रमशः P_1तथा P_2 तथा उपभोक्ता की आय M मानते हुए x_1तथा x_2 उपभोग की वस्तुओं के अनुकूलतम चयन का निर्धारण करें।

2. क) हिक्स के तटस्थ, श्रम परिवर्धित, तथा पूँजी परिवर्धित तकनीकी प्रगति की व्याख्या करें।

   ख) एक उत्पादन फलन $f(x_1, x_2)$का समीकरण इस प्रकार दिया है–

$$f(x_1, x_2) = \left[a + b\frac{x_1}{x_2}\right]^{-1} x_1$$

   उपरोक्त उत्पादन फलन के लिए प्राचल a तथा b हेतु प्रत्येक आदा के लिए सीमांत उत्पाद तथा तकनीकी प्रतिस्थापन दर का आकलन करें। क्या यह उत्पादन फलन घटते हुए, स्थिर अथवा बढ़ते हुए पैमाने की प्रतिफल अवस्था को व्यक्त करता है? संक्षेप में व्याख्या करें।

   ग) लिएनटिफ फलन के समोत्पाद वक्रों की रचना करें और साधन प्रतिस्थापन की अनुपस्थिति की व्याख्या करें।

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। 3x 10=30

3. क) कौब डगलस उपयोगिता फलन के सामान्य रूप को व्यक्त करें। इस उत्पादन फलन से लाभ फलन कैसे व्युत्पन्न करते हैं?

ख) निम्नलिखित उत्पादन फलन वाली किसी प्रतियोगी फर्म से संबंधित लाभ फलन, आपूर्ति फलन तथा आदा माँग फलन का निर्धारण करें :

$$f(x_1, x_2) = \sqrt{\frac{x_1 x_2}{x_1 + 1}}$$

4. क) किसी जोखिम निवारक व्यक्ति के लिए अवतल (concave) उत्पादन फलन की रेखीय रचना करें। बतायें कि किस प्रकार निश्चित समकक्षता व्युत्पन्न होती है?

ख) निम्नलिखित vNM प्रत्याशित उपयोगिता फलन पर विचार करें:

$$U(W) = 200 - \frac{1}{W}$$

व्यक्ति की प्रारंभिक W संपति है। उसके समक्ष अपनी संपति W के अर्धभाग का स्टॉक में निवेश करने का अवसर आता है। π प्रायिकता के साथ उसके प्रतिफल में तीन गुना वृद्धि होती है, 1 – π प्रायिकता के साथ उसका प्रतिफल निरर्थक है। इस संबंध में निवेश के लिए π का क्या मान होना चाहिये?

5. क) विस्तार पथ क्या है? कौब डगलस उत्पादन फलन के तहत विशिष्ट विस्तार पथ की आकृति को प्रदर्शित करें एवं उसकी व्याख्या करें।

ख) एक CES उत्पादन फलन इस प्रकार है:

$$f(x_1, x_2) = \left(\sqrt{x_1} + \sqrt{x_2}\right)^3$$

जहाँ कि $f(x_1, x_2)$ उत्पादन की मात्रा हैं, x_1 तथा x_2 प्रयुक्त दो आदाओं की मात्रायें हैं।

x_1 तथा x_2 दो आदाओं के लिए सशर्त माँगफलनों को व्युत्पन्न करें। फर्म के लागत फलन का भी आकलन करें।

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5x 6=30**

6. लाभ फलन की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं? इस संबंध में उदुब्जुता (convexity) का अवधारणा की व्याख्या करें।

7. अल्पकाल में एक पूर्ण प्रतिस्पर्धी फर्म किन परिस्थितियों में घाटा होने पर भी उत्पादन करना जारी रखेगी?

8. सशर्त एवं अशर्त आदा माँग फलनों के बीच अंतर बतायें।

9. CES उत्पादन फलन में लोच प्राचल क्या व्यक्त करते हैं?

10. अर्द्धरेखीय अधिमानों के मामले में वस्तु की सीमांत उपयोगिता किस प्रकार का व्यवहार करती है?